# हिन्दी

(www.tiwariacademy.com)
(वसंत)(पाठ 10)(इस्मत चुगताई – कामचोर)
(कक्षा 8)

*प्रश्न अभ्यास*

**कहानी से**

**प्रश्न 1:**
कहानी में 'मोटे–मोटे किस काम के हैं?' किन के बारे में और क्यों कहा गया?

**उत्तर 1:**
कहानी में 'मोटे–मोटे किस काम के हैं उन भारारती बच्चों के लिए कहा गया है जो न तो खुद काम करते हैं बस दिन भर बैठे रहते हैं तथा हिल कर पानी भी नहीं पीते हैं।

**प्रश्न 2:**
बच्चों के उधम मचाने के कारण घर की क्या दुर्दशा हुई?

**उत्तर 2:**
बच्चों उधम मचाने से सारा घर अस्त–व्यस्त हो गया मटके सुराही टूट गए। झाड़ू लगाने से घर में धूल छा गई, पानी डालने से कीचड़ हो गया। चारों तरफ सामान फैल गया मुर्गियॉ और भेड़ें इधर–उधर भागने लगीं।

**प्रश्न 3:**
''या तो बच्चाराज कायम कर लो या मुझे ही रख लो। ''अम्मा ने कब कहा? और इसका परिणाम क्या हुआ?

**उत्तर 3:**
बच्चों के घर का काम करने से सारा घर अस्त–व्यस्त हो गया मटके सुराही टूट गए। झाड़ू लगाने से घर में धूल छा गई, पानी डालने से कीचड़ हो गया ।चारों तरफ सामान फैल गया मुर्गियॉ और भेड़ें घर में घुस गईं। इतना सब देखकर उनकी मॉ परेशान हो गई। और उन्होने कहा कि या तो बच्चा राज कायम कर लो या मुझे ही रख लो। जिसे देखकर पिताजी ने बच्चों को धर की किसी भी वस्तु को न छूने की हिदायत दे दी और सजा का फरमान सुना दिया।

**प्रश्न 4:**
'कामचोर' कहानी क्या संदेश देती है?

**उत्तर 4:**
कामचोर कहानी यही संदेश देती है कि बच्चों से उनकी उम्र और रुचि के अनुसार कार्य करवाना चाहिए जिससे कि वे खेल–खेल में काम भी कर दें और कुछ नया सीख भी जाएं।

**प्रश्न 5:**
क्या बच्चों ने उचित निर्णय लिया कि अब चाहे कुछ भी हो जाए, हिलकर पानी भी नहीं पिएँगे।

**उत्तर 5:**
बच्चों के द्वारा काम न करने का निर्णय पूर्णतः अनुचित था। बच्चों को अपने खाली समय का सदुपयोग करना चाहिए उन्हें घर के काम में हाथ बंटाना चाहिए बड़ों का मार्गदर्शन लेना चाहिए, कुछ न समझ में आने पर बड़ों से पूछना चाहिए।

## कहानी से आगे

**प्रश्न 1:**
घर के सामान्य काम हों या अपना निजी काम, प्रत्येक व्यक्ति को अपनी क्षमता के अनुरूप उन्हें करना आवश्यक क्यों है?

**उत्तर 1:**
ऐसा करने से मन और शरीर दानें ही स्वस्थ रहते हैं।

**प्रश्न 2:**
भरा–पूरा परिवार कैसे सुखद बन सकता है और कैसे दुखद? कामचोर कहानी के आधार पर निर्णय कीजिए।

**उत्तर 2:**
सब मिलजुल कर अपनी क्षमता के अनुरूप काम करें तो घर में खुशहाली बनी रहती है यदि एक व्यक्ति पर ही सारा काम डाल दिया जाए और बाकी लोग केवल बातें करें और घर को गंदा करें तो घर का माहौल दुखद हो सकता है।

**प्रश्न 3:**
बड़े होते बच्चे किस प्रकार माता–पिता के सहयोगी हो सकते हैं और किस प्रकार भार? कामचोर कहानी के आधार पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।

**उत्तर 3:**
बड़े होते बच्चे यदि अपने घर में अपने माता–चिता के साथ मिलकर काम करें। अपने आप ही तैयार हो जाएं, अपनी वस्तुओं को जगह पर रखें घर में गंदगी न फैलाएं सामान को उसके स्थान पर ही रखें तो वे अपने माता–पिता के सहयोगी बन सकते हैं।

**प्रश्न 4:**
'कामचोर' कहानी एकल परिवार की कहानी है या संयुक्त परिवार की? इन दोनों तरह के परिवारों में क्या–क्या अंतर होते हैं?

**उत्तर 4:**
कामचोर कहानी एक संयुक्त परिवार की कहानी है। एकल परिवार में केवल माल–पिता और बच्चे ही होते हैं जिसके कारण किसी का सहयोग नहीं मिलता। इसके विचरीत संयुक्त परिवार में दादा–दादी, चाचा–चाची और अन्य सभी होते हें जिसे कारण काम का पता नहीं चलता सब एक दूसरे सुख–दुख के साथी होते हैं।

## अनुमान और कल्पना

**प्रश्न 1:**
घरेलू नौकरों को हटाने की बात किन–किन परिस्थितियों में उठ सकती है? विचार कीजिए।

**उत्तर 1:**
घरेलू नौकरों को हटाने की बात तब उठ सकती है जब या तो उन्होंने कोई गलत कदम उठाया हो या घर के सारे लोग स्वयं ही काम करने के लिए तैयार हो गए हों।

**प्रश्न 2:.**

कहानी में एक समृद्ध परिवार के ऊधमी बच्चों का चित्रण है। आपके अनुमान से उनकी आदत क्यों बिगड़ी होंगी? उन्हें ठीक ढंग से रहने के लिए आप क्या–क्या सुझाव देना चाहेंगे?

**उत्तर 2:**

बच्चों की आदतें बिगड़ने का मुख्य कारण उनके घर में नौकरों के द्वारा काम करना और जगह पर ही हर चीज का मिल जाना तथा उनसे कोई भी काम न कराना रहा है। उनको ठीक ठंग से रहने के लिए घर वालों द्वारा अपना काम खुद करने की आदत डलवानी चाहिए।

**प्रश्न 3:**

किसी सफल व्यक्ति की जीवनी से उसके विद्यार्थी जीवन की दिनचर्या के बारे में पढ़ें और सुव्यवस्थित कार्यशैली पर एक लेख लिखें।

**उत्तर 3:**

यह कार्य बच्चे अपनी रुचि के अनुसार किसी सफल व्यक्ति की जीवनी पढ़कर स्वयं संपादित करेंगे।